दैनिक नवज्योति
30 दिसम्बर, 2012 ■ रविवार

महानरेगा में मिली कई शिकायतें

केंद्रीय योजनाओं की लोगों को जानकारी नहीं-श्रीवास्तव

अजमेर, 29 दिसम्बर (कासं)। जिले में महानरेगा को लेकर बहुत शिकायतें मिल रही हैं। इसका मुख्य कारण लोगों में जागरूकता का अभाव है। इस योजना में अभी और जन सहभागिता जरूरी है। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में योजना क्रियान्वयन के अन्वेषण अधिकारी डॉ.एस.के.श्रीवास्तव ने गुरुवार को 'नवज्योति' से बातचीत में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जवाजा, केकड़ी एवं भिनाय में श्रमिकों से मुलाकात के दौरान योजना में कई स्तरों पर सुधार के सुझाव मिले हैं। इन्हें केन्द्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जिससे ग्रामीणों को और अधिक लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों को केन्द्र सरकार की ओर से उनके लिए संचालित राष्ट्रीय योजनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है, तो वे उसका लाभ कैसे उठाएंगे? इसके लिए जन जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की भी आवश्यकता है। इस अवसर पर उनके सहयोगी आरएन ओझा भी उपस्थित थे। लेकिन दोनों ने यह बताने से इंकार कर दिया कि ग्रामीणों ने महानरेगा को लेकर क्या शिकायतें की हैं।

डॉ.बाहेती ने की मुलाकात

बीसूका क्रियान्वयन समिति के जिला उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ.श्रीगोपाल बाहेती ने डॉ.श्रीवास्तव से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन देकर महानरेगा में पक्के काम व स्कूलों में चारदीवारी एवं मैदान बनाने, वॉटरशेड एवं व्यक्तिगत लाभ के कार्य कराने, मजदूरी में नकद राशि के साथ अनाज देने, कार्यों की ऑडिट बार-बार नहीं

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में योजना क्रियान्वयन के अन्वेषण अधिकारियों से चर्चा करते बाहेती। प्रेस फोटो : एम.अली

करने, वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण के कार्य करवाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहाकि इससे गांवों का विकास तो होगा ही, बेरोजगारी भी दूर हो सकेगी। उन्होंने गांवों में नए औद्योगिक क्षेत्र, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय बनाने, खेती योग्य जमीनों के बेचान पर रोक लगाने, सभी गांव-ढाणियों को सड़क, पानी, बिजली से जोड़ने, 5-10 गांवों को मिलाकर कलस्टर बना सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास बनाने और उनका ग्रामीण भत्ता बढ़ाने, पशुपालन और कृषि को उद्योग का दर्जा देने की भी मांग की। उनके साथ बीरमसिंह रावत सहित कई कांग्रेसी थे।